>

Title: Regarding Hydroelectric Projects in J&K.

चौधरी लाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी परमिशन से एक महत्वपूर्ण मसला अपनी स्टेट के बारे में उठाना चाहता हूं जिस के बारे में मैंने आपको लिख कर भी दिया है। एनएचपीसी जम्मू-कश्मीर में सलाल प्रोजैक्ट के लिए दो परसेंट कमिशन पर आई तो उसने फर्स्ट फेज में कहा था कि उसे हैंड ओवर कर देंगे लेकिन दस साल की बजाय 30 साल हो गए हैं। उन्होंने 50 परसेंट एग्जीक्यूटिव्स और नॉन एग्जीक्यूटिव्स कैडर के लोगों को नौकरियां देने की बात कही थी। उन्होंने इसके लिऐ जो ड्राफ्ट नोट लिखा, उसके बाद 33 परसैंट की बात भी पूरी नहीं की। मसला इस कद्र है और मुश्किल यह आ रही है कि जम्मू-कश्मीर के इंजीनियर्स वहां भूख हड़ताल पर हैं। हमारे यहां के जो नौजवान बेरोजगार हैं, उनको इसमें रोजगार मिलना चाहिए था लेकिन उनको रोजगार नहीं मिला। कहा गया था कि उस एरिया को बिजली देंगे लेकिन वह भी नहीं दी। एक मेगावाट पर 13 करोड़ रुपए लगे और उसे हैंड ओवर करने के लिए कह रहे हैं लेकिन जहां एक मेगावाट पर एक करोड़ रुपया लगा, वहां वे हैंड ओवर करने के लिए तैयार नहीं हैं। एनएचपीसी के हमारे जो बाकी प्रोजैक्ट हैं, वे भी दिए जा रहे हैं लेकिन हमारा कहना यह है कि वहां के जो बेरोजगार नौजवान हैं, इंजीनियर्स हैं, टैक्नोक्रैट्स हैं और चाहे एग्जीक्यूटिव्स हैं या नॉन एग्जीक्यूटिव कैडर के हैं उनको रोजगार देना बहुत जरूरी है। यह मसला बहुत गम्भीर है। इन्होंने राजीव गांधी विद्युतीकरण के प्रोजैक्ट ले लिए हैं। हमारे यहां जो नौजवान बेरोजगार हैं. सरकार उनकी तरफ ध्यान दे।

MR. SPEAKER: Now, Shri Varkala Radhakrishnan.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: For my safety, I have to call him to speak!

...(*Interruptions*)